हुई जब भी मेरी जग में हंसाई मुझे तू कभी भी दिया ना दिखाई

हुई जब भी मेरी,
जग में हंसाई,
जग में हंसाई,
मुझे तू कभी भी,
दिया ना दिखाई,
दिया ना दिखाई,
हुईं जब भी मेरी,
जग में हंसाई।bd।

तर्ज – मोहब्बत की झूठी कहानी।

न कहता न सुनता,
न मिलता न दिखता,
बता कब मिलेगा,
खत भी न लिखता,
फिर भी मैं तेरी,
करूं ना बुराई,
करूं ना बुराई,
हुईं जब भी मेरी,
जग में हंसाई।bd।

अब तुम छुपो ना,
कुछ तो कहो ना,
दूर इस तरह से,
मुझसे रहो ना,
कैसे यूं तुमसे,
रहे आशनाई,
रहे आशनाई,
हुईं जब भी मेरी,
जग में हंसाई।bd।

तमन्ना है दिल की,
संग में रहो तुम,
तुम बिन सांवरिया,
[illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

यूं याद रे तेरी,
'जालान' को आई,
'जालान' को आई,
हुईं जब भी मेरी,
जग में हंसाई।bd।

हुई जब भी मेरी,
जग में हंसाई,
जग में हंसाई,
मुझे तू कभी भी,
दिया ना दिखाई,
दिया ना दिखाई,
हुईं जब भी मेरी,
जग में हंसाई।bd।

गायक – विनोद पनिहार जी।
लेखक / प्रेषक – पवन जालान जी।
94160-59499 भिवानी (हरियाणा)

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com